

▶ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन '2डी मैटटेक ग्लोबल: फंडामेंटल्स टू एप्लीकेशन्स' की शुरुआत।

आयोजन: द्वि-आयामी पदार्थों पर वैश्विक मंथन: आईआईटी इंदौर में जुटे दुनिया भर के वैज्ञानिक

प्रमुख आकर्षण परमाणु वैज्ञानिक डॉ. अनिल काकोडकर रहे

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2डी मैटटेक ग्लोबल: फंडामेंटल्स टू एप्लीकेशन्स-2026 की शुरुआत बुधवार से हुई। तीन दिवसीय सम्मेलन में द्वि-आयामी (2 डी) पदार्थों के क्षेत्र में हो रही नवीनतम प्रगति और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा के लिए दुनियाभर के अग्रणी वैज्ञानिक, शिक्षाविद, शोधकर्ता, उद्योग विशेषज्ञ और विद्यार्थी एक मंच पर जुटे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र का प्रमुख आकर्षण परमाणु वैज्ञानिक डॉ. अनिल काकोडकर रहे। होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान के कुलाधिपति, राजीव गांधी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग के अध्यक्ष और परमाणु



ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. काकोडकर बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने 2 डी पदार्थों को भविष्य की तकनीकों की रीढ़ बताते हुए अंतःविषय अनुसंधान पर जोर दिया।

तीन संस्थानों का संयुक्त आयोजन: सम्मेलन का संयुक्त आयोजन आईआईटी इंदौर, राजा रामन्ना प्रगत

प्रौद्योगिकी केंद्र (आरआरकेट) इंदौर और यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम फॉर साइंटिफिक रिसर्च, इंदौर की ओर से किया गया। यह आयोजन अत्याधुनिक पदार्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अग्रणी संस्थानों के बीच सशक्त सहयोग का परिचायक रहा।

परिवर्तनकारी तकनीकी नवाचारों की संभातना

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने कहा, द्वि-आयामी पदार्थों का क्षेत्र आधुनिक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के सबसे रोमांचक क्षेत्रों में से एक बनकर उभरा है। यह परिवर्तनकारी तकनीकी नवाचारों के लिए अभूतपूर्व संभावनाएं प्रस्तुत करता है। सम्मेलन के

माध्यम से हमने वैज्ञानिक संवाद, अंतःविषय सहयोग और अत्याधुनिक शोध के प्रसार के लिए सशक्त मंच उपलब्ध करवाया। हमें विश्वास है कि यहां हुए विचार-विमर्श पदार्थ विज्ञान और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

उद्देश्य: ज्ञान-विनिमय और वैश्विक सहयोग

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य द्वि-आयामी पदार्थों के संश्लेषण, अभिलक्षणन, सैद्धांतिक समझ और तकनीकी अनुप्रयोगों पर कार्य कर रहे शोधकर्ताओं के बीच ज्ञान-विनिमय, वैज्ञानिक संवाद, नेटवर्किंग व सहयोग के लिए एक वैश्विक मंच उपलब्ध करवाना था। आयोजन ने प्रतिभागियों के बीच सार्थक संवाद को प्रोत्साहित किया, जो 2 डी पदार्थों के अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के भविष्य को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

400 से अधिक शोध मिले

सम्मेलन के संयोजक प्रोफेसर रूपेश एस. देवन और सह-संयोजक डॉ. राम जे. चौधरी व डॉ. रविन्द्र जांगीड़ ने बताया प्रस्तुतीकरण के लिए 400 से अधिक शोध-सार प्राप्त हुए, जो द्वि-आयामी पदार्थों के अनुसंधान के प्रति बढ़ती वैश्विक रुचि को दर्शाते हैं। प्रतिभागियों को इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, सेंसिंग, क्वांटम तकनीकों और अन्य उभरते क्षेत्रों के भविष्य को आकार देने वाले नवीनतम अनुसंधानों से अवगत होने का अवसर मिला।